सूरज चंदा तारे उसके | by Tejaswini Sharma

सूरज चंदा तारे उसके धरती आसमान
दिन भी उसका रात भी उसकी उसकी सुबह और शाम
राम की राम ही जाने राम

संत जनो की रक्षा हेतु धनुष राम ने धारा
दुष्टों का संहार किया भक्तों को पार उतारा
पहले था ना आगे होगा जैसे राजा राम
दिन भी उसका रात भी उसकी उसकी सुबह और शाम
राम की राम ही जाने राम

आदर और सत्कार बड़ों का मात पिता की पूजा
प्राण जाए पर वचन ना जाए नहीं उदाहरण दूजा
नहीं भाई कोई लक्ष्मण जैसा यति सती बलवान
दिन भी उसका रात भी उसकी उसकी सुबह और शाम
राम की राम ही जाने राम

मर्यादा पुरुषोत्तम की है लीला अजब न्यारी
चरणों ठोकर से प्रभु की शिला हो गयी नारी
राम कथा से ही मिल जाये सबको मुक्ति धाम
दिन भी उसका रात भी उसकी उसकी सुबह और शाम
राम की राम ही जाने राम

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b8%e0%a5%82%e0%a4%b0%e0%a4%9c-%e0%a4%9a%e0%a4%82%e0%a4%a6%e0%a4%be-%e0%a4%a4%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%89%e0%a4%b8%e0%a4%95%e0%a5%87-by-tejaswini-sharma/